॥ नामरामायणम् ॥

॥ बालकाण्डः ॥

शुद्धब्रह्मपरात्पर राम
कालात्मकपरमेश्वर राम
शेषतल्पसुखनिद्रित राम
ब्रह्माद्यमरप्रार्थित राम
चण्डकिरणकुलमण्डन राम
श्रीमद्दशरथनन्दन राम
कौसल्यासुखवर्धन राम
विश्वामित्रप्रियधन राम
घोरताटकाघातक राम
मारीचादिनिपातक राम
कौशिकमखसंरक्षक राम
श्रीमदहल्योद्धारक राम
गौतममुनिसम्पूजित राम
सुरमुनिवरगणसंस्तुत राम
नाविकधावितमृदुपद राम
मिथिलापुरजनमोहक राम
विदेहमानसरञ्जक राम
त्र्यम्बककार्मुखभञ्जक राम
सीतार्पितवरमालिक राम
कृतवैवाहिककौतुक राम
भार्गवदर्पविनाशक राम
श्रीमदयोध्यापालक राम

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित राम
अवनीतनयाकामित राम
राकाचन्द्रसमानन राम
पितृवाक्याश्रितकानन राम
प्रियगुहविनिवेदितपद राम
तत्क्षालितनिजमृदुपद राम
भरद्वाजमुखानन्दक राम
चित्रकूटाद्रिनिकेतन राम
दशरथसन्ततचिन्तित राम
कैकेयीतनयार्थित राम
विरचितनिजपितृकर्मक राम
भरतार्पितनिजपादुक राम

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ अरण्यकाण्डः ॥

दण्डकावनजनपावन राम
दुष्टविराधविनाशन राम
शरभङ्गसुतीक्ष्णार्चित राम
अगस्त्यानुग्रहवर्धित राम
गृध्राधिपसंसेवित राम
पञ्चवटीतटसुस्थित राम
शूर्पणखार्त्तिविधायक राम
खरदूषणमुखसूदक राम
सीताप्रियहरिणानुग राम
मारीचार्तिकृताशुग राम
विनष्टसीतान्वेषक राम
गृध्राधिपगतिदायक राम
कबन्धबाहुच्छेदन राम
शबरीदत्तफलाशन राम

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ किष्किन्धाकाण्डः ॥

हनुमत्सेवितनिजपद राम
नतसुग्रीवाभीष्टद राम
गर्वितवालिसंहारक राम
वानरदूतप्रेषक राम
हितकरलक्ष्मणसंयुत राम

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ सुन्दरकाण्डः ॥

कपिवरसन्ततसंस्मृत राम
तद्गतिविघ्नध्वंसक राम
सीताप्राणाधारक राम
दुष्टदशाननदूषित राम
शिष्टहनूमद्भूषित राम
सीतावेदितकाकावन राम
कृतचूडामणिदर्शन राम
कपिवरवचनाश्वासित राम
राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ युद्धकाण्डः ॥

रावणनिधनप्रस्थित राम
वानरसैन्यसमावृत राम
शोषितसरिदीशार्थित राम
विभीषणाभयदायक राम
पर्वतसेतुनिबन्धक राम
कुम्भकर्णशिरश्छेदक राम
राक्षससङ्घविमर्दक राम
अहिमहिरावणचारण राम
संहृतदशमुखरावण राम
विधिभवमुखसुरसंस्तुत राम
खःस्थितदशरथवीक्षित राम
सीतादर्शनमोदित राम
अभिषिक्तविभीषणनत राम
पुष्पकयानारोहण राम
भरद्वाजाभिनिषेवण राम
भरतप्राणप्रियकर राम
साकेतपुरीभूषण राम
सकलस्वीयसमानत राम
रत्नलसत्पीठास्थित राम
पट्टाभिषेकालङ्कृत राम
पार्थिवकुलसम्मानित राम
विभीषणार्पितरङ्गक राम
कीशकुलानुग्रहकर राम
सकलजीवसंरक्षक राम
समस्तलोकाधारक राम
राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ उत्तरकाण्डः ॥

आगतमुनिगणसंस्तुत राम
विश्रुतदशकण्ठोद्भव राम
सितालिङ्गननिर्वृत राम
नीतिसुरक्षितजनपद राम
विपिनत्याजितजनकज राम
कारितलवणासुरवध राम
स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत राम
स्वतनयकुशलवनन्दित राम
अश्वमेधक्रतुदीक्षित राम
कालावेदितसुरपद राम
आयोध्यकजनमुक्तिद राम
विधिमुखविबुधानन्दक राम
तेजोमयनिजरूपक राम
संसृतिबन्धविमोचक राम
धर्मस्थापनतत्पर राम
भक्तिपरायणमुक्तिद राम
सर्वचराचरपालक राम
सर्वभवामयवारक राम
वैकुण्ठालयसंस्थित राम
नित्यानन्दपदस्थित राम
राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ इति श्रीलक्ष्मणाचार्यविरचितं नामरामायणं सम्पूर्णम्॥

वैदेहीसहितं सुरद्रुमतले हैमे महामण्डपे
मध्ये पुष्पकमासने मणिमये वीरासने सुस्थितम्।
अग्रे वाचयति प्रभञ्जनसुते तत्त्वं मुनिभ्यः परं
व्याख्यान्तं भरतादिभिः परिवृतं रामं भजे श्यामलम्॥

वामे भूमिसुता पुरश्च हनुमान् पश्चात् सुमित्रासुतः
शत्रुघ्नो भरतश्च पार्श्वदलयोर्वाय्वादिकोणेषु च।
सुग्रीवश्च विभीषणश्च युवराट् तारासुतो जाम्बवान्
मध्ये नीलसरोजकोमलरुचिं रामं भजे श्यामलम्॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:
http://stotrasamhita.net/wiki/Nama_Ramayanam.

generated on **August 16, 2026**

Downloaded from http://stotrasamhita.github.io | StotraSamhita | Credits